



3. प्रश्नगत रास्ता निकटतम होना चाहिये :-

प्रश्नगत रास्ता निकटतम एवं सरल, सुगम एवं निकटतम होना चाहिये, जबकि प्रश्नगत रास्ता सड़क जो क ख तक चाहा गया है मगर इसके बजाय ख ग वाला रास्ता निकटतम है।

विद्वान अधिवक्ताओं की बहस पर मनन किया गया एवं पत्रावली पर मौजूद दस्तावेजात एवं तहसीलदार खींवसर की रिपोर्ट का गहनता पूर्वक अध्ययन किया गया। जिससे यह सुस्पष्ट होता है प्रार्थी के पास अन्य वैकल्पिक साधन से अपने खेतों में जाने के लिए रास्ता है तो अन्य रास्ता से दिया जा सकता है जबकि प्रार्थी द्वारा सरकारी प्रतिबंधित आराजी में से रास्ता चाहा है जो रास्ता कतई नहीं दिया जा सकता है तथा प्रश्नगत रास्ता अतिक्रमित है तथा वर्तमान में चल भी नहीं रहा है।

धारा 251 अ की मशां यह कहती है की खातेदार द्वारा चाहा गया रास्ता सरल सुगम एवं निकटतम होना चाहिये तथा चाहे गए रास्ते से किसी का भी अहित नहीं होना चाहिए एवं न ही प्रतिबंधित आराजी प्रतिबंधित होनी चाहिये। और प्रार्थी के पास अन्य वैकल्पिक रास्ता भी मौजूद नहीं है।

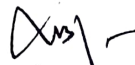
धारा 5 (28) के अनुसार Pasture land तथा पशुओं के चारागाह हेतु उपयोग की जाने वाली भूमि में सुखाचार उत्पन्न नहीं होता है तथा उक्त भूमि में से रास्ते के उपयोग एवं उपभोग के कारण पर दावा करने वाले व्यक्ति के कोई हक व अधिकार उत्पन्न नहीं होते हैं और प्रार्थी के पास वैकल्पिक रास्ता मौजूद हो, ऐसी स्थिति में प्रार्थी द्वारा चाहा गया रास्ता चारागाह के चराने के लिए उपयोग की जाने वाली भूमि एवं सभावित खनिज क्षेत्र से चाहा, जो कतई दिया जाना न्याय संगत नहीं है।

मगर प्रार्थी द्वारा चाहे गए रास्ते की भूमि चारागाह, जो प्रतिबंधित आराजी है एवं खनिज सभावित क्षेत्र होने से उक्त रास्ता नहीं दिया जाना नियमों के अन्तर्गत नहीं आता है।

उपरोक्त विवेचन के आधार पर मैं इस निर्णय पर पहुँचा हूँ की अन्तर्गत धारा 251 अ के परोक्त तीनों बिन्दु प्रार्थी साबित करने में असफल रहे हैं। पत्रावली पर मौजूद रिकॉर्ड, तहसीलदार खींवसर का जबाब/रिपोर्ट, प्रार्थी विद्वान अधिवक्ता उभयपक्षकारान की बहस, के आधार पर प्रार्थी का प्रा.पत्र अन्तर्गत धारा 251 अ आर.टी.एक्ट जो स्वीकार योग्य नहीं होने की वजह से अस्वीकार किया जाता है।

आदेश

अतः प्रार्थी का प्रा.पत्र, पत्रावली पर मौजूद रिकॉर्ड, तहसीलदार खींवसर की रिपोर्ट/जबाब प्रा. पत्र के आधार पर प्रार्थी का प्रा.पत्र प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 251 (अ) आर. टी. एक्ट को खारिज किया जाता है। पक्षकारान अपना अपना खर्चा वहन करें।



राजकेश मीना RAS  
उप-खण्ड अधिकारी  
(खींवसर नागौर)

उक्त आदेश आज दिनांक : 15.04.2021 को सरे इजलास सुनाया गया।



राजकेश मीना RAS  
उप-खण्ड अधिकारी  
(खींवसर नागौर)